

12.6.17

→ पत्राली गेरा डुरे। कशील नादी एजिर नही, बादी प्रहलाड
पुत्र वजरंग एजिर | सुना गया | बोडी के उपस्थित होकर
बलाया डि सात्र जवरेल - विगारिया की जमलेंदी लेंदु -
२०६८-७१ के खाला सं. नया - पुसना २०४-१८८ सरसरा न.
१७५७ नम्बरा ३-१३-१० का. I प्रहलाड, राजेनु फि० नजरंगदास

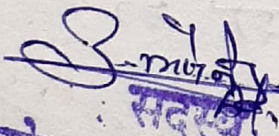
कोई कार्यवाही नहीं


प्रहलाड


कौम साधु साहित्य, देह के साथ स्वर्ग ही वादी शारदादर
 है (य) साहित्यी सं. ५ भी-शारदादर हीं कर्मी के सादर
 अर्पण करत 183, 92A_188, 209 RT Act के लहत
 अर्पण करे साहित्यी सं. के खिलाफ ब्लॉक नोट को हटावी
 जाकर हटना वादी साहित्यी सं. के खिलाफ नोट को हिलाया जाने
 ही तार्थना की थी।

आज न्याय आपके मार विचारित (बलहेल)
 के सादरान के आपसी कर्मीनामा होने से वादी कोई
 कर्मीनामी नहीं चाहता है अतः नोट ख के कर्मीनामी
 समाप्त की जाती है। खर्चा करीबन अपना अपना
 फहन करे।

निर्णय बनने आम से सुनाया गया।


 सदस्य
 लोक अदालत शिविर
 सरवाड़ (अजमेर)


 सदस्य
 लोक अदालत शिविर
 सरवाड़ (अजमेर)


 अध्यक्ष
 लोक अदालत शिविर
 सरवाड़ (अजमेर)